६०१ / ७५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, १५ जुलाई, २००१) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गये हैं।

(विभाग - १ श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १. निम्नलिखित किन्हीं भी दो विषयों के सन्दर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए। ६

१. प्रगट भक्ति की महिमा।
२. श्रीहरि सर्वोपरि - 'स्वामीकी बातें' के आधार पर।
३. सर्वकर्ता हर्ता श्रीजीमहाराज।
४. ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता।

प्र. २. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगों का वर्णन कर सिद्धांत लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. चौबीस अवतारों के दर्शन।
२. राठोड धाधल के यहाँ होली का उत्सव।
३. नित्यानंद स्वामी की सर्वोपरि निष्ठा।
४. मालजी सुनार को अक्षरधाम की पहचान।

प्र. ३. निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. भगवान साकार किस प्रकार ?
२. उपासना की महत्ता।
३. एक ही के द्वारा प्रागट्य।
४. दिव्यभाव समझने की आवश्यकता।

प्र. ४. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय में कारण लिखिए। (बारह पक्तियों मे) ८

१. हम स्थानभष्ट नहीं है।
२. भगवान को सर्वकर्ता हर्ता मानना चाहिए।

३. मूर्ति नहीं, बल्कि संत को ही भगवान का प्रत्यक्ष स्वरूप कहा जाता है।
४. श्रीजीमहाराज ने परमहंसों को 'कबूतर के कबूतर' कहा।

प्र. ५. *उपासना में क्या समझना चाहिए ?* ८

प्र. ६. *गुणातीत सत्पुरुष के द्वारा प्रतिष्ठित की गई मूर्तियाँ पूजनीय हैं।* ५

प्र. ७. निम्नांकित किसी भी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए। ५

१. श्रीजीमहाराज की साकार स्वरूप में रुचि।
२. अनन्य निष्ठा के बावजूत सर्व का आदर।
३. गोपालानंद स्वामी द्वारा कथित गुणातीतानंद स्वामी की महिमा। (किन्हीं तीन प्रसंग)

(विभाग - २ सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा प्रेरणामूर्ति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरण, किसने, किस को तथा कब कहा है यह लिखिए। ६

१. ''यहाँ तो नहीं जीमते।''
२. ''यह स्वामिनारायण कौन है ?''
३. ''आपको कोई पहचान न सके ऐसा अगर हम कर दे तो ?''
४. ''जूनागढ़ जल्दी जाइए, वहाँ स्वामी आपका इन्तजार कर रहे हैं।

प्र. ९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के कारण लिखिए। (बारह पंकितयों में) ८

१. बड़ौदा के सत्संगी ब्राह्मण का मस्तक बच गया।
२. मुक्तानंद स्वामी ने प्रसादी का वस्त्र चुल्हे में डाल दिया।
३. भीगे वस्त्रोंवाले प्रमुखस्वामी को शास्त्रीजी महाराज ने गले लगा लिया।
४. निष्कुलानंद स्वामी बड़ौदा से निकल जाने के लिए तैयार हुए।

प्र. १०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विस्तार से विवरण लिखिए। ८

१. पर्वतभाई की मानसी पूजा।
२. बाल स्नेही 'प्रमुखस्वामी।' (किन्हीं दो प्रसंग)
३. शिवलाल सेठ का दृष्टि संयम।
४. कुशलकुवरबा का भक्तिभाव।

प्र. ११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **६**

१. शिवलाल सेठ ने किस का व्यवहार चलाया ?

२. मुक्तानंद स्वामी ने स्त्रीयों के लिये कौन से ग्रंथों की रचना की ?

३. रघुवीरजी महाराज ने देहत्याग किया तब किसको बुखार आया ?

४. प्रमुखस्वामी को कहाँ और किसने भागवती दीक्षा प्रदान की ?

५. पर्वतभाई के इष्टदेव कौन थे ?

६. निष्कुलानंद स्वामी के पुत्र का दीक्षा नाम क्या था ?

प्र. १२. निम्नलिखित में से किसी एक प्रसंग का वर्णन कर के संक्षेप में भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) **४**

१. खुशाल भट्ट का सामर्थ्य।

२. रघुवीरजी महाराज का खप।

३. मुकुंददास की ब्रह्मचर्यपालन की दृढ़ता।

(विभाग - ३ निबन्ध)

प्र. १३. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग ६० पंक्तियों में निबन्ध लिखिए। **२०**

१. प्रमुखस्वामी महाराज द्वारा संस्था को प्राप्त ज्वलंत सिद्धियाँ।

२. कलियुग में कल्पतरु- संत समागम।

३. योगी का मार्ग - गुणग्राहक दृष्टि।